श्री वैभव लक्ष्मी मंत्र

या रक्ताम्बुजवासिनी विलासिनी चण्डांशु तेजस्विनी।
या रक्ता रुधिराम्बरा हरिसखी या श्री मनोल्हादिनी॥
या रत्नाकरमन्थनात्प्रगटिता विष्णोस्वया गेहिनी।
सा मां पातु मनोरमा भगवती लक्ष्मीश्च पद्मावती ॥

****

कैसे करें वैभव लक्ष्मी मंत्र का प्रयोग

वैभव लक्ष्मी मंत्र का जाप विशेष रूप से शुक्रवार और दिपावली के दिन करना चाहिए। इस दिन जातक को सुबह जल्दी उठकर घर के सभी कार्य कर के स्नान कर लेना चाहिए। इसके बाद उपवास रखते हुए श्री लक्ष्मी यंत्र या मां लक्ष्मी की तस्वीर को लाल कपड़े में लपेटकर पूजा स्थान पर स्थापित करना चाहिए।

लक्ष्मी जी की धूप, फूल, दीप, गंध, अक्षत, रोली आदि से पूजा करनी चाहिए। पूजा करने के बाद यथाशक्तिनुसार "श्री वैभव लक्ष्मी मंत्र" का जाप करना चाहिए। इस मंत्र का जाप शुक्रवार के अतिरिक्त अन्य दिन भी बिना नियम के किया जा सकता है।

****

श्री वैभव लक्ष्मी मंत्र के लाभ

मान्यता है कि श्री वैभव लक्ष्मी मंत्र का जाप करने से जातक के घर में कभी किसी वस्तु का अभाव नहीं रहता है। लक्ष्मी जी की कृपा से उसका जीवन सुख- शांति, धन- वैभव से हमेशा भरा रहता है।

****